हरित संजीवनी

हरित संजीवनी प्रक्रिया - 1 - 250 ग्राम / 125 ग्राम

इस्तेमाल के फायदे :-

* जमीन में रसायन के अघुलनशील घटकों को घोल देता है ।
* जमीन भुरभुरी बनती है ।
* जमीन में नमी बढ़ाती है ।
* फसल के सूक्ष्म जड़ों की वृधि होने में मदद होती है ।
* प्रक्रिया -१ के निरंतर इस्तेमाल करने से जमीन में मित्र जिवानुओं का विकास होने में मदद होती है ।
* जमीन में आर्गेनिक कार्बन बढ़ाने में मदद मिलती है ।
* पौधों को सूक्ष्म अन्न तत्व देने में मदद होती है ।

हरित संजीवनी प्रक्रिया 1 जमीन में देने का समय :-

फसल की बुआई या रोपाई करते समय या बुआई या रोपाई करने से 30 दिनों तक जमीन में देना आवश्यक है ।

हरित संजीवनी प्रक्रिया 1 का इस्तेमाल कैसे करें :-

* किसी भी रासायनिक या ऑर्गेनिक खाद के साथ मिलाकर दे सकते है ।
* 40 से 50 किलो सुखी मिट्टी में मिलाकर दे सकते है ।
* ड्रिप इरिगेशन या ड्रेंचिंग द्वारा जमीन में दे सकते है ।

निर्देश : प्रक्रिया -1 जमीन में देने के बाद पानी देना चाहिए ।

हरित संजीवनी प्रक्रिया - 2 - 100 ग्राम / 50 ग्राम

इस्तेमाल के फायदे :-

* फसलों को संतुलित अन्न तत्व मिलने से फसलों की संतुलित वृद्धी होने में मदद मिलती है ।
* पत्तों का आकार बढ़कर पत्ते हरेभरे होते है ।
* प्रकाश संश्लेषण की क्रिया तेज गति से होकर भोजन र्निमान ज्यादा होने में मदद मिलती है ।
* जड़ों की वृद्धी तेजी से हो कर सशक्त विकास में मदद मिलती है ।

इस्तेमाल कैसे करें :-

प्रक्रिया -2 - 1 ग्राम पाउडर 1 लिटर पानी के प्रमाण में लेकर छिड़काव करें ।

हरित संजीवनी प्रक्रिया - 3- 150 ग्राम / 75 ग्राम

इस्तेमाल के फायदे :-

* फसल की शाखाएं बढ़ती है ।
* ज्यादा से ज्यादा मादा फूलों का निर्माण होता है।
* फसल की प्रजनन अवस्था में लगने वाले विशेष अन्न तत्वों को देने में मदद मिलती है।
* फसल में कार्बन और नायट्रोजन के अनुपात (C:N Ratio) को संतुलित रखने में मदद मिलती है।
* फसल के प्रतिकूल परिस्थिति में फूल और पत्तों की गिरावट में कमी आती है।
* फसल की सशक्त वृद्धी होने में मदद मिलती है।

इस्तेमाल कैसे करें :-

प्रक्रिया –3 - 1 ग्राम पाउडर 1 लिटर पानी के प्रमाण में लेकर छिड़काव करें ।

हरित संजीवनी प्रक्रिया - 4- 250 ग्राम / 125 ग्राम

इस्तेमाल के फायदे :-

* फसल को जैसे पत्ते,फूल और फलों को संतुलित अन्न तत्व देने में मदद मिलती है।
* ज्यादा से ज्यादा फूलों का रूपान्तरण फलों में होता है।
* फल जल्दी एवं प्राकृतिक रूप से परिपक्व होते है।
* फसल के प्रतिकूल परिस्थिति में पानी के प्रमाण को संतुलित बनाकर पत्तों की गिरावट को नियंत्रित करता है।

इस्तेमाल कैसे करें :-

* प्रक्रिया -4-1 ग्राम पाउडर 1 लिटर पानी के प्रमाण में लेकर छिड़काव करें ।
* हरित संजीवनी प्रक्रिया -2,3,4 को सभी प्रकार के कीटनाशक,फफूंद नाशक के साथ मिलाकर छिड़काव कर सकते है।
* सिर्फ अल्कालाईन दवाईयाँ मतलब बोर्डो मिश्रण या कॉपर, सल्फर के साथ मिलाकर छिड़काव ना करें ।
* अच्छे परिणामों के लिए सुबह 11 बजे के पहले या शाम 5 बजे के बाद छिड़काव करें।

हरित संजीवनी प्रक्रिया 2,3,4 – का फसलों में इस्तेमाल कब और कैसे करें

फसल का नाम	हरित संजीवनी प्रक्रिया 2,3,4 इस्तेमाल कब करें
टमाटर,बैंगन,मिर्च,शिमला मिर्च,भिंडी,करेला,तवस, खीरा,परवल,गोभी,फूलगोभी,आलू,गिलकी,प्याज,लहसुन, बिट आदि सभी प्रकार की सब्जियाँ.	प्रक्रिया 2 का छिड़काव फसल लगाने के 25 से 30 दिनों तक करें। प्रक्रिया 3 का छिड़काव प्रक्रिया 2 के छिड़काव के 15 दिनों बाद करें । प्रक्रिया ४ का छिड़काव प्रक्रिया 3 के छिड़काव के 15 दिनों बाद करें ।
जिन सब्जियों की फसल में बार–बार फूल लगकर फल लगते है उन सभी फसलों पर हरित संजीवनी प्रक्रिया 2,3,4 का छिड़काव ख़त्म होने के बाद आगे हर 15 दिनों में फ्रुट स्पेशल पाउडर 1 लिटर पानी में 2 ग्राम के प्रमाण से छिड़काव करते रहे।	
पालक,मेथी,धनिया,शेपू,गाजर,मुली,आदि सभी प्रकार की पत्तेदार सब्जियाँ. मकई, ज्वार, बाजरा	प्रक्रिया 2 का छिड़काव फसल लगाने के 15 दिनों तक करें। प्रक्रिया 3 का छिड़काव प्रक्रिया 2 के छिड़काव के 7 से 8 दिनों बाद करें । प्रक्रिया 4 का छिड़काव प्रक्रिया 2 के छिड़काव के 7 से 8 दिनों बाद करें ।
धान,गेहू,सोयाबीन,मटर,राजमा,सरसों,अरहर,मुंग,उड़द, चना, वाल,चवली,मूंगफल्ली आदि फसलें.	प्रक्रिया 2 का छिड़काव फसल लगाने के 25 से 30 दिनों तक करें। प्रक्रिया 3 का छिड़काव प्रक्रिया 2 के छिड़काव के 15 दिनों बाद करें । प्रक्रिया 4 का छिड़काव प्रक्रिया 2 के छिड़काव के 15 दिनों बाद करें ।
कपास, अदरक , हल्दी	प्रक्रिया 2 का छिड़काव फसल लगाने के 35 से 40 दिनों तक करें। प्रक्रिया 3 का छिड़काव प्रक्रिया 2 के छिड़काव के 20 दिनों बाद करें । प्रक्रिया 3 का छिड़काव प्रक्रिया 2 के छिड़काव के 20 दिनों बाद करें ।
गेंदा फूल, गुलाब, जरबेरा, लिली आदि सभी प्रकार के फूल, तम्बाखू, शहतुत, पान आदि पत्ते वाली फसले	प्रक्रिया 2 का छिड़काव फसल लगाने के 25 से 30 दिनों तक करें। प्रक्रिया 3 का छिड़काव प्रक्रिया 2 के छिड़काव के 15 दिनों बाद करें । प्रक्रिया 4 का छिड़काव प्रक्रिया 3 के छिड़काव के 15 दिनों बाद करें । प्रक्रिया 4 के बाद हर 15 दिनों के अंतराल में फ्रुट स्पेशल 1 लिटर पानी में 2 ग्राम के प्रमाण से छिड़काव करते रहे ।